13

चतुर चिड़िया

एक था बाग उसमें एक पेड़ था। पेड़ पर घोंसला था। उसमें एक चिड़िया रहती थी। चिड़िया के चार बच्चे थे। वह रोज सुबह–शाम दाना लेने जाती। लौटकर घर आती। बच्चों को दाना चुगाती। बच्चे दाना चुगकर बहुत खुश होते। उस घोंसले के नीचे एक चबूतरा था। चिड़िया के बच्चे उस पर बीट कर देते। तिनके बिखेर देते। चबूतरा गंदा हो जाता। मालिक को यह गंदगी बुरी लगी। उसने सोचा इस घोंसले को हटा दिया जाए।

वह अपने लड़के से बोला– "माली से कहना, घोंसला हटा दे।"

चिड़िया घर लौटकर आई। बच्चे घबरा रहे थे। उन्होंने मालिक की बात माँ को बताई। चिड़िया ने कहा– "बच्चो! घबराओ मत। मौज से रहो।'' कुछ दिन निकल गए। घोंसला नहीं हटा। मालिक फिर एक दिन आया उसे

घोंसला वहीं दिखाई दिया। वह लड़के से बोला, "घोंसला अभी तक

नहीं हटा। तुम हटा देना।'' चिड़िया लौटकर घर आई। बच्चे बहुत घबरा रहे थे। बच्चों ने कहा "माँ, आज मालिक फिर आया था और अपने लड़के से खुद घोंसला हटाने को कह गया है।''

चिड़िया बोली– "घबराओ नहीं, यहीं मौज से रहो" कुछ दिन और निकल गए। न कोई आया, न घोंसला हटा। फिर एक दिन मालिक आया। उसने देखा घोंसला अब भी वहीं है।

वह बोला, "इस घोंसले को कल सुबह मैं खुद हटाऊँगा।"

चिड़िया शाम को बच्चों के पास लौटी। बच्चों ने उसे बताया "माँ, कल सुबह मालिक आएगा। अपने हाथों से घोंसला हटाएगा।" यह सुनकर चिड़िया चिंता में पड़ गई।

वह बोली, "बच्चो! अब हमें यहाँ से चल देना चाहिए।" बच्चे सोचने लगे – माँ ने इस बार ही चलने को क्यों कहा ?

दूसरों को बताने की बजाय काम यदि खुद करें तो जल्दी और सही हो जाता है।

अभ्यास–कार्य

शब्द– अर्थ

मौज – आनंद

चुगाना – खिलाना

खुद – अपने आप

1. पढ़ें और समझें

घोंसला, चिड़िया, चुगना, चबूतरा, गंदगी, मौज, खुद, हटाऊँगा, लौटा, चिंता

2. सोचें और बताएँ

(क) चिड़िया रोज सुबह क्यों जाती थी ?

(ख) घोंसले के नीचे क्या था ?

(ग) मालिक घोंसला क्यों हटाना चाहता था ?

(घ) माँ ने घोंसला छोड़ने की बात कब सोची ?

3. उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाएँ

(अ) चिड़िया सुबह–शाम कहाँ जाती थी ?

(क) घूमने (ख) घोंसला बनाने

(ग) दाना लेने (घ) नई जगह ढूँढने ( )

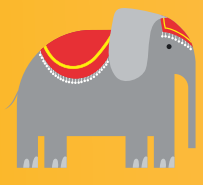

(ब) चिड़िया ने पहली बार अपने बच्चों को क्या कहा ?

(क) मौज से रहो (ख) खुश रहो

(ग) डरते रहो (घ) मस्त रहो ( )

(स) मालिक ने घोंसला हटाने के लिए किससे कहा ?

(क) चिड़िया से (ख) लड़के से

(ग) माली से (घ) बच्चे से ( )

4. दिए गए उदाहरण के अनुसार नए शब्द बनाएँ

(क) सुबह – शाम (ख) दिन – .....

(ग) गंदा – ..... (घ) कल – .....

(ड) आना – ..... (च) उठना – .....

5. एक शब्द में उत्तर लिखें

1. पेड़ पर किसका घोंसला था ?
2. चिड़िया के कितने बच्चे थे ?
3. घोंसला हटाने के लिए किसने कहा था ?

6. सुंदर लेख लिखें

न कोई आया, न घोंसला हटा।

.....

.....

.....

.....

7. पहचानें और नाम लिखें

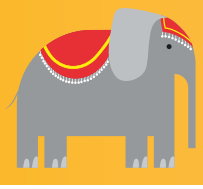

इसे भी याद करें

चिड़कली

फुर्र–फुर्र करती एक चिड़कली,
म्हारी साळ मांय आयी।
घणै जतन सूं चूंच मांयनै,
दाब तिणकला लायी।
ओलांतर सी रख्या तिणकला,
आळो एक बणायो।
घणे चाव सूँ
घास–पूस सूँ
आळे ने सजायो।
बणियो आळो चिड़ी बणी माँ,
अण्डा लाई तीन,
केई दिनां सेया अण्डा ने,

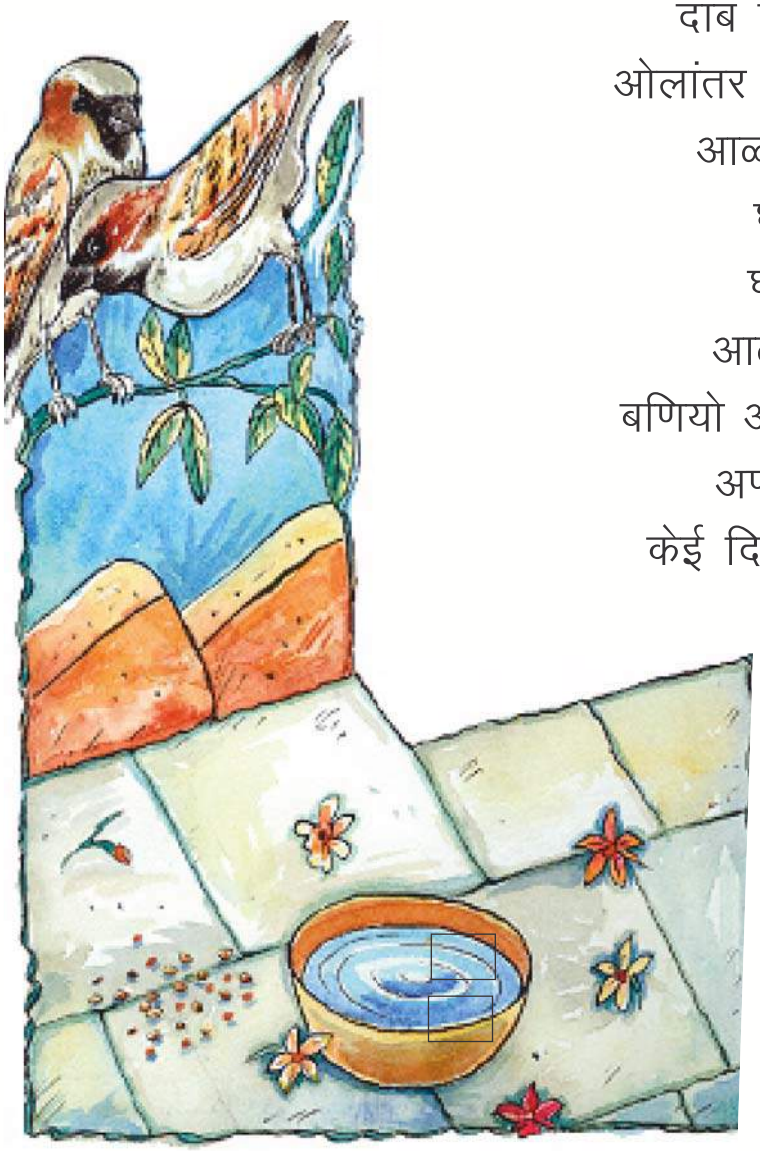

आँख न लिनी नींद।
फूट्या अण्डा बचिया
निकळ्या,
जद चिड़ी हरखाई।
चीं–चीं करता बचियां ने,
ल्या–ल्या चूण चुगाई।
निकली पांख्याँ बचियां रै

तद,
उडणो चिड़ी सिखाई।
साळ सूँ बारै री दुनियां री,
ऊँच–नीच समझाई
कर हुंसियार उडाया बां नै,
ऊँचा आभै मांयी।
फुदक–फुदककर फुर्र–फुर्र करता।
रूंखां माथै जीवण गीत सुणायी।।

–श्रीभगवान सैनी